Title: Need to write off loans of farmers taken from nationalised banks in Jammu and Kashmir.

वैद्य विणु दत्त शर्मा (जम्मू) : महोदय, मैं जम्मू व कश्मीर प्रदेश के किसानों की स्थिति की ओर ध्यान आकृट करते हुए कहना चाहूंगा कि माननीय पूर्व प्रधान मंत्री जी के वायदे के मुताबिक जम्मू व कश्मीर के किसानों ने बैंकों से लिए हुए ऋण की किश्तें नहीं भरीं, उसका परिणाम उन्हें आज देखने को मिला। उस समय केन्द्र सरकार ने इन मासूम किसानों से वादा तो कर दिया पर निभाया नहीं। मगर उसी समय सरकार ने बाकी लोगों से भी वादा किया था, जिनमें व्यापारियों, उद्योगपतियों व अन्य लोगों के 50-50 हजार के ऋण माफ कर दिए परन्तु किसानों के दस-दस हजार के नहीं किए, जो आज तीन गुणा से भी अधिक हो गए हैं। गरीब किसान यह भारी रकम चुकाने में असमर्थ हैं।

मैं इस संदर्भ में सदन व सरकार से विनम्र अपील करता हूं कि किसानों द्वारा लिया गया ऋण माफ कर दें ताकि ये मासूम किसान चैन की सांस ले सकें।